मॉडल पाठ्यक्रम

क्यूपी नाम:पंचकर्म तकनीशियन

क्यूपी कोड: HSS/Q3601

क्यूपी संस्करण: 4

एनएसक्यूएफ स्तर: 4.5

मॉडल पाठ्यक्रम संस्करण: .1.0

हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल || हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल, 520, डीएलएफ टॉवर ए, 5वीं मंजिल, जसोला डिस्ट्रिक्ट
केंद्र, नई दिल्ली – 110025

विषयसूची

प्रशिक्षण पैरामीटर 3
कार्यक्रम अवलोकन 4
प्रशिक्षण परिणाम 4
अनिवार्य मॉड्यूल 4
मॉड्यूल विवरण 7
मॉड्यूल 1: आयुष स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों का परिचय 7
मॉड्यूल 2: मानव शरीर की मूल संरचना और कार्य (रचना शरीर और क्रिया शरीर) 8
मॉड्यूल 3: परिचय: पंचकर्म तकनीशियन और उनके प्रमुख कार्य 9
मॉड्यूल 4: आयुर्वेद के मूल सिद्धांत 9
मॉड्यूल 5: प्रमुख पंचकर्म प्रक्रियाएं 10
मॉड्यूल 6: पंचकर्म चिकित्सा का पूर्वकर्म 11
मॉड्यूल 7: पंचकर्म चिकित्सा के प्रधान कर्म 13
मॉड्यूल 8: पंचकर्म चिकित्सा के पाश्चात् कर्म 16
मॉड्यूल 9: आयुर्वेदिक आहार 17
मॉड्यूल 10: इन्वेंटरी नियंत्रण 18
मॉड्यूल 11: चिकित्सीय संचार कौशल 19
मॉड्यूल 12: रिपोर्टिंग और दस्तावेज़ीकरण 19
मॉड्यूल 13: कार्यस्थल पर सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया 20
मॉड्यूल 14: संक्रमण नियंत्रण नीतियां और प्रक्रियाएं 21
मॉड्यूल 15: जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन 21
मॉड्यूल 16: DGT/VSQ/N0102: रोजगार कौशल (60 घंटे) 18
अनुलग्नक 20
प्रशिक्षक की आवश्यकताएं 21
मूल्यांकनकर्ता की आवश्यकताएं 22
मूल्यांकन रणनीति 23
संदर्भ 25
शब्दकोष 25
संक्षिप्त और संक्षिप्तीकरण 26

प्रशिक्षण पैरामीटर

क्षेत्र	स्वास्थ्य देखभाल
उप-क्षेत्र	आयुष
पेशा	आयुर्वेद चिकित्सा
देश	भारत
एनएसक्यूएफ स्तर	4.5
एनसीओ/आईएससीओ/आईएसआईसी कोड के अनुरूप	एनसीओ-2015/2230
न्यूनतम शैक्षिक योग्यता और अनुभव	12वीं कक्षा पास या 10वीं कक्षा उत्तीर्ण तथा 3 वर्ष का प्रासंगिक अनुभव या एनएसक्यूएफ लेवल 3 की पिछली प्रासंगिक योग्यता के साथ 3 वर्ष का प्रासंगिक अनुभव
पूर्व-आवश्यक लाइसेंस या प्रशिक्षण	लागू नहीं
नौकरी में प्रवेश की न्यूनतम आयु	18 वर्ष
अंतिम बार समीक्षित	8-5-2025
अगली समीक्षा तिथि	8-5-2028
एनएसक्यूसी अनुमोदन तिथि	8-5-2025
क्यूपी संस्करण	4.0
मॉडल पाठ्यक्रम निर्माण तिथि	8-5-2025
मॉडल पाठ्यक्रम वैध और अद्यतन	8-5-2028
मॉडल पाठ्यक्रम संस्करण	1.0
पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि	1200 बजे.
पाठ्यक्रम की अधिकतम अवधि	1200 बजे.

कार्यक्रम अवलोकन

यह खंड कार्यक्रम के अंतिम उद्देश्यों तथा उसकी अवधि का सारांश प्रस्तुत करता है।

प्रशिक्षण परिणाम

कार्यक्रम के अंत में, शिक्षार्थी को सूचीबद्ध ज्ञान और कौशल प्राप्त कर लेना चाहिए।

- पंचकर्म तकनीशियन की भूमिका और जिम्मेदारियों को समझाइए।
- संबंधित बुनियादी अवधारणाओं और मौलिक सिद्धांतों को लागू करें पंचकर्म के लिए.
- प्रक्रिया के दौरान चिकित्सक/डॉक्टर और अन्य संबंधित पेशेवरों की सहायता करें।
- नुस्खों की कुशलतापूर्वक व्याख्या करें और पंचकर्म प्रक्रियाओं को सक्षमता से पूरा करें।
- पंचकर्म से संबंधित विभिन्न जड़ी-बूटियों और योगों के उपयोग की व्याख्या करें।
- आहार में पंचकर्म से संबंधित संकेत, निषेध और सावधानियों पर चर्चा करें।
- पंचकर्म प्रक्रियाओं में से पूर्व, प्रधान और पाश्चात कर्म करें।
- पंचकर्म इकाई का रखरखाव करना।
- पंचकर्म प्रक्रिया के दौरान नियमित रोगी देखभाल कार्य करना।
- रोगियों की शारीरिक स्थिति का आकलन करने के लिए महत्वपूर्ण मापदंडों की जाँच करें।
- मानक प्रोटोकॉल के अनुसार संक्रमण नियंत्रण उपाय लागू करें और जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान करें।
- सुरक्षा को बढ़ावा दें और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) का उपयोग करें।

अनिवार्यमॉड्यूल

तालिका में क्यूपी के अनिवार्य एनओएस के अनुरूप मॉड्यूल और उनकी अवधि सूचीबद्ध है।

एनओएस और मॉड्यूल विवरण	सिद्धांत अवधि	व्यावहारिक अवधि	कार्यस्थल पर प्रशिक्षण अवधि (अनिवार्य)	नौकरी पर प्रशिक्षण अवधि (अनुशंसित)	कुल अवधि
HSS/N3630: आयुष स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का परिचय	135:00	195:00	30:00	00:00	360:00
मॉड्यूल 1: आयुर्वेद के साथ आयुष स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों का विस्तृत परिचय	20:00	40:00	00:00	00:00	60:00
मॉड्यूल 2: मानव शरीर की मूल संरचना और कार्य (रचना शरीरा और क्रिया शरीरा)	20:00	40:00	00:00	00:00	60:00
मॉड्यूल 3: परिचय: पंचकर्म तकनीशियन और उनके प्रमुख कार्य	30:00	50:00	00:00	00:00	80:00
मॉड्यूल 4: आयुर्वेद के मूल सिद्धांत	30:00	30:00	00:00	00:00	60:00
मॉड्यूल 5: प्रमुख पंचकर्म प्रक्रियाएं	35:00	35:00	00:00	00:00	70:00

HSS/N3601: पंचकर्म चिकित्सा सत्र के लिए पूर्वापेक्षाएँ	**25:00**	**60:00**	**20:00**	**00:00**	**105:00**
मॉड्यूल 6: पंचकर्म चिकित्सा का पूर्वकर्म	25:00	60:00	20:00	00:00	105:00
एचएसएस/एन3602: प्रधान कर्म पंचकर्म चिकित्सा	**60:00**	**100:00**	**20:00**	**00:00**	**180:00**
मॉड्यूल 7: पंचकर्म चिकित्सा के प्रधान कर्म	60:00	100:00	20:00	00:00	180:00
एचएसएस/एन3603: पंचकर्म चिकित्सा के पास्चैट कर्म	**70:00**	**110:00**	**30.00**	**00:00**	**210:00**
मॉड्यूल 8: पंचकर्म चिकित्सा के पाश्चात् कर्म	40:00	60:00	00:00	00:00	100:00
मॉड्यूल 9: आयुर्वेदिक आहार	30:00	50:00	00:00	00:00	80:00
एचएसएस/एन3631: एक इकाई में दिन-प्रतिदिन के काम में सहायता	**90:00**	**120:00**	**30:00**	**00:00**	**240:00**
मॉड्यूल 10: इन्वेंटरी नियंत्रण	60:00	90:00	00:00	00:00	150:00
मॉड्यूल 11: चिकित्सीय संचार कौशल	20:00	20:00	00:00	00:00	40:00
मॉड्यूल 12: रिपोर्टिंग और दस्तावेज़ीकरण	10:00	10:00	00:00	00:00	20:00
HSS/N9617: सुरक्षित, स्वस्थ और संरक्षित वातावरण बनाए रखें	**05:00**	**10:00**	**15:00**	**00:00**	**30:00**
मॉड्यूल 13: कार्यस्थल पर सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया	05:00	10:00	15:00	00:00	30:00
HSS/N9618- जैव-चिकित्सा अपशिष्ट सहित संक्रमण नियंत्रण नीतियों और प्रक्रियाओं का पालन करें निपटान प्रोटोकॉल	**05:00**	**05:00**	**05:00**	**00:00**	**15:00**
मॉड्यूल 14: संक्रमण नियंत्रण नीतियां और प्रक्रियाएं	03:00	03:00	00:00	00:00	06:00
मॉड्यूल 15: जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन	02:00	02:00	00:00	00:00	04:00
कुल	**390:00**	**600:00**	**150:00**	**00:00**	**1140:00**
मॉड्यूल 16: रोजगार कौशल (60 घंटे): DGT/VSQ/N0102	60:00	00:00	00:00	00:00	
कुल	**450:00**	**600:00**	**150:00**	**00:00**	**1200:00**

मॉड्यूल विवरण

मॉड्यूल 1: आयुष स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का परिचय
मैप किया गया: HSS/N3630

टर्मिनल परिणाम:

- भारत में आयुष स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली की मूल संरचना और कार्य का वर्णन करें।
- आयुर्वेद की विस्तृत संरचना और कार्य को समझेंभारत और विदेशों में स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली

अवधि:*20:00*	**अवधि**:*40:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• देश में आयुष से संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानें • आयुर्वेद स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था, कल्याण केन्द्रों, सेवाओं और इसमें शामिल पेशेवरों के बारे में विस्तार से चर्चा करें। • आयुष क्षेत्र में पंचकर्म विभाग के महत्व और इसकी सेवाओं के दायरे को समझें। • पंचकर्म व्यवस्था में काम करने वाले पेशेवरों और उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की संक्षेप में सूची बनाएं। • आयुर्वेद की उत्पत्ति, इसके लक्ष्य और इसकी आठ शाखाओं का अन्वेषण करें।	• आयुर्वेद सुविधाओं और उससे जुड़ी सेवाओं पर एक चार्ट तैयार करें। • विभिन्न आयुष स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्थाओं में अंतर दर्शाने वाला एक चार्ट तैयार करें। • आयुष उद्योग से जुड़ी सेवाओं और व्यवसायों की सूची तैयार करें।
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएँ	
क्षेत्रीय कार्य हेतु आयुर्वेद अस्पताल का दौरा	

मॉड्यूल 2: मानव शरीर की मूल संरचना और कार्य (रचना शरीरा और क्रिया शरीरा)
मैप किया गया: HSS/N3630

टर्मिनल परिणाम:

- मानव शरीर की मूल संरचना और कार्य का ज्ञान प्रदर्शित करें।

अवधि:*20:00*	**अवधि**:*40:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• शरीररचना विज्ञान और शरीरक्रिया विज्ञान की संक्षिप्त समझ के साथ शरीर के विभिन्न अंगों की सूची बनाएं। • शरीर के छह क्षेत्रों (षडंगत्वम्) की संकल्पना को समझाइये। • गुण और दोष की अवधारणा को समझाइए। • प्लाज्मा (रस धातु), रक्त (रक्त धातु) और मांसपेशियों (ममसा धातु) का वर्णन करें। • शरीर की विभिन्न शारीरिक स्थितियों, पाचन तंत्र, तंत्रिका तंत्र, श्वसन तंत्र, मस्कुलोस्केलेटल, लोकोमोटर, परिसंचरण, हृदय, आदि का अवलोकन।	• अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग करके मानव शरीर के विभिन्न अंगों का मॉडल तैयार करें। • मानव शरीर प्रणाली की शारीरिक प्रक्रिया को दर्शाते हुए शरीर के अंगों का एक चार्ट तैयार करें।
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर, ए.वी. एड्स मानव शरीर की संरचना और कार्य को समझना	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएँ	
मानव शरीर कंकाल, शरीर प्रणाली पर चार्ट और पोस्टर	

मॉड्यूल 3: परिचय: पंचकर्म तकनीशियन और उनके प्रमुख कार्य
मैप किया गया: HSS/N3630

टर्मिनल परिणाम:

- पंचकर्म तकनीशियन की प्रमुख भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का वर्णन करें

अवधि:*30:00*	**अवधि**:*50:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• पंचकर्म की अवधारणा को समझें, • पंचकर्म चिकित्सा के लिए प्रयुक्त उपकरणों की सूची • दिशानिर्देशों का अन्वेषण करें और चिकित्सा के लिए कमरे को तैयार करने में तकनीशियनों के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करें • पंचकर्म तकनीशियन की भूमिका और जिम्मेदारियों का वर्णन करें। • पंचकर्म में प्रयुक्त औषधियों के महत्व और इसके उपयोग पर चर्चा करें। • महत्वपूर्ण मापदंडों और उनके सामान्य मूल्यों के बारे में बताएं • रक्तचाप, तापमान, नाड़ी, श्वसन, तापमान और आरबीएस, स्पो2 सहित रोगी के महत्वपूर्ण मापदंडों पर चर्चा करें • विभिन्न पंचकर्म चिकित्साओं के लिए पोजिशनिंग तकनीकों को समझें • पंचकर्म इकाई में गुणवत्ता नियंत्रण और गुणवत्ता आश्वासन पर चर्चा करें • पंचकर्म विभाग से संबंधित क्या करें और क्या न करें के बारे में चर्चा करें। • भारत और विदेश में पंचकर्म तकनीशियन की कैरियर संभावनाओं पर चर्चा करें। • अपनी योग्यता और अधिकार की सीमा को समझें • पंचकर्म प्रक्रिया के संचालन में शामिल अन्य पेशेवरों की भूमिका और जिम्मेदारियों को समझें	• पंचकर्म तकनीशियन की भूमिका और जिम्मेदारियों को दर्शाने वाला एक चार्ट तैयार करें। • पंचकर्म विभाग में शामिल सभी उपकरणों और यंत्रों का रोल प्ले में प्रदर्शन करें। • एक भूमिका निभाते हुए - रोगी के महत्वपूर्ण संकेतों की जाँच का प्रदर्शन करें।
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएँ	
मानव शरीर और सहायक अंगों के 3डी मॉडल, मानव कंकाल प्रणाली के मॉडल, अंग नमूने, चिकित्सा उपकरण जैसे स्फिग्मोमैनोमीटर, थर्मामीटर, वजन मशीन, स्टेथोस्कोप आदि।	

मॉड्यूल 4: आयुर्वेद के मूल सिद्धांत

मैप किया गया: HSS/N3630

टर्मिनल परिणाम:

- आयुर्वेदिक चिकित्सा की सही तकनीकों का प्रदर्शन करें।
- आयुर्वेदिक तेलों और मालिश का उपयोग करने की सही तकनीक का प्रदर्शन करें।

अवधि:*30:00*	**अवधि**:*30:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• आयुर्वेद की अवधारणा को समझाइए • मन, शरीर और आत्मा की अवधारणा पर संक्षेप में चर्चा करें • पंचकर्म चिकित्सा का महत्व समझाएं • दीपन द्रव्य और पचन का महत्व बताएं • त्रिदोष, सप्त, पाप ... • धातु (शरीर के तत्व), माला (अपशिष्ट उत्पाद), कोष्ठ (आहार पथ) • प्रकृति (शरीर गठन) की अवधारणा को समझाइए। • दारणीय (गैर-दमनकारी आवेग) और आधारणीयवेग (दमनकारी आवेग) की अवधारणाओं की व्याख्या करें • स्रोत (शरीर चैनल) की अवधारणा पर चर्चा करें • अमा और अग्नि की अवधारणा को समझाएँ • आयुर्वेदिक उपचारों "शदुपक्रम (बृम्हण, लंघन, स्वेदन, स्तम्भन, रुक्ष्ना, सेंहन), रसायन, वाजीकरण, संसामन, संशोधन, पथ्य - अपथ्य" के महत्व और अनुप्रयोग को समझाएं। • द्रव्य के रस, गुण, कर्म, वीर्य, विपाक और प्रभाव के आयुर्वेदिक औषध विज्ञान ज्ञान की अवधारणा को समझाएं • स्वस्थवृत्त की अवधारणा को समझें। • औषधीय चिकित्सा में प्रयुक्त विभिन्न तेलों के बारे में बताएं	• आयुर्वेदिक उपचारों की सही तकनीकों का प्रदर्शन करें "शदुपक्रम (बृम्हण, लंघन, स्वेदन, स्तम्भन, रुक्ष्ना, सेन्हाना), रसायन, वाजीकरण, संसामन, संशोधन, पथ्या - अपथ्य • *दारानिया और आधारानिया वेगास की एक सूची बनाएं।* • *विभिन्न तेलों और मालिश का उपयोग करने की सही तकनीक का प्रदर्शन करें।*
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर,	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएँ	
तेल, चूर्ण, अमा और अग्नि से संबंधित कुंडली आदि।	

मॉड्यूल 5: प्रमुख पंचकर्म प्रक्रियाएं

मैप किया गया: HSS/N3630

टर्मिनल परिणाम:

- विभिन्न पंचकर्म प्रक्रियाओं के फार्माकोडायनामिक्स, संकेत, मतभेदों के बारे में बताएं
- सम्यक योग, अति योग और अयोग, लक्षण की अवधारणाओं के बारे में बताएं

अवधि:*35:00*	**अवधि**:*35:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• विभिन्न पंचकर्म प्रक्रियाओं जैसे कि वमन कर्म (चिकित्सीय वमन), विरेचन कर्म (शोधन), बस्ती कर्म (एनिमा), नस्य कर्म (तेल और हर्बल डेरिवेटिव का नाक द्वारा प्रशासन), रक्त मोक्ष (चिकित्सीय रक्तपात) के फार्माकोडायनामिक्स, संकेत, प्रतिविरोधों के बारे में बताएं। • सम्यक योग, अति योग और अयोग, लक्षण की अवधारणाओं के बारे में बताएं • वामन, विरेचन, नस्य, बस्ती और रक्तमोक्षण में व्यापदों (जटिलताओं) के बारे में चर्चा करें	• पंचकर्म प्रक्रियाओं के बाद सम्यक योग, अति योग और अयोग, लक्षण के लक्षणों की एक सूची बनाएं। • विभिन्न पंचकर्म चिकित्सा पद्धतियों की रूपरेखा प्रस्तुत करने वाला एक चार्ट बनाएं।
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर, बो	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएँ	
विभिन्न पंचकर्म प्रक्रियाओं से संबंधित चार्ट।	

मॉड्यूल 6: पंचकर्म चिकित्सा का पूर्वकर्म

मैप किया गया: HSS/N3601

टर्मिनल परिणाम:

- पंचकर्म के पूर्वकर्म से संबंधित मानक प्रक्रिया का प्रदर्शन करना।
- औषधि निर्माण के लिए मानक प्रक्रिया का प्रदर्शन करें
- उपचार से पहले रोगियों को बताएं कि क्या करें और क्या न करें।

अवधि:*25:00*	**अवधि**:*60:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• सही रोगी, सही खुराक, सही दवा, सही मार्ग, सही समय, सही दस्तावेजीकरण, जानने का अधिकार और मना करने का अधिकार सहित चिकित्सा की पूर्व-प्रक्रिया अनुपालन की व्याख्या करें • ग्राहक के लिए सामान एकत्र करने और सुरक्षित रूप से भंडारण करने की प्रक्रिया पर चर्चा करें • प्रक्रिया शुरू करने से पहले महत्वपूर्ण संकेतों को मापकर रोगी की समग्र स्थिति का आकलन करें। • स्नेहन कर्म (तेल उपचार) के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं के बारे में बताएं • स्वेद कर्म (सेंक) के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं और इसके लाभों के बारे में बताएं • चिकित्सक/चिकित्सक के निर्देशानुसार कार्य को व्यवस्थित करें और गतिविधियों को प्राथमिकता दें • औषधियाँ तैयार करते समय क्या करें और क्या न करें, इसके बारे में बताएं • खुराक की गलत गणना के कारण उत्पन्न होने वाले दुष्प्रभावों पर चर्चा करें • पादप, पशु और खनिज मूल की औषधियों और यौगिक योगों के बारे में चर्चा करें। • लिंग, धर्म, संस्कृति, भाषा आदि जैसे कारकों पर विचार करते हुए वरीयताओं के आधार पर रोगी की सीमाओं या आराम क्षेत्रों की पहचान करें • किसी विशिष्ट उपचार से पूर्व चिकित्सक/डॉक्टर के आदेशानुसार उपचार के दौरान रोगियों को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, इसकी जानकारी दें	• विभिन्न पंचकर्म प्रक्रियाओं के लिए विभिन्न स्थितियों का प्रदर्शन करें। • औषधि खुराक गणना के लिए मानक प्रक्रिया का प्रदर्शन करें • पंचकर्म प्रक्रियाओं के बाद क्या करें और क्या न करें की एक सूची बनाएं।
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएँ	
मरीज के कपड़े, तौलिया, चेहरे का तौलिया, दस्ताने, बेसिन, पानी, आदि	

मॉड्यूल 7: पंचकर्म चिकित्सा के प्रधान कर्म

मैप किया गया: HSS/N3602

टर्मिनल परिणाम:

- आयुर्वेदिक मालिश के विभिन्न प्रकारों का प्रदर्शन करें।
- शिरोधारा, शिरोबस्ती, शिरोभ्यंग, पदाभ्यंग, उदवर्तन, उद्घर्षण, मर्दाना, सम्वाहन, सिरोपिचू और स्थानिक पिचू, लेपा, कवलांद, गंडूशा (गरारे करना) जैसी प्रक्रियाओं के प्रकारों का प्रदर्शन करें।
- उपचार के दौरान रोगियों को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, यह बताएं।
- मरीजों के रिकॉर्ड और रिपोर्ट बनाए रखें

अवधि:*60:00*	**अवधि**:*100:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• अभ्यंग (आयुर्वेद तेल मालिश), शिरो अभ्यंगम (सिर की मालिश), पद अभ्यंगम (पैर की मालिश), मुख अभ्यंगम (चेहरे की मालिश) आदि करने के संकेत, मतभेद और प्रक्रिया के बारे में बताएं। • किसी भी बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए मालिश चिकित्सा में उचित समायोजन करने के बारे में चर्चा करें। • चिकित्सक के मार्गदर्शन में मालिश प्रक्रियाओं के दौरान तकनीकों, दबावों और लय के महत्व को समझाएं। • माध्यम/तेल के आधार पर शिरोधारा के तीन भागों के बारे में बताएं। • ग्राहक की भलाई की जांच करने के महत्व को समझें और जहां आवश्यक हो वहां आश्वासन दें • मालिश प्रक्रिया के अनुसार प्रयुक्त विभिन्न तेलों, उनके विवरण और उपयोगों के बारे में बताएं। • ग्राहक की गोपनीयता और निजता बनाए रखने के महत्व को समझाएं। • किसी भी सुरक्षा मुद्दे को संबंधित प्राधिकारी के समक्ष उठाने की प्रक्रिया समझाएं।	• आयुर्वेदिक मालिश के विभिन्न प्रकारों का प्रदर्शन करें • शिरोधारा, शिरोबस्ती, शिरोभ्यंग, पदाभ्यंग, उदवर्तन, उद्घर्षण, मर्दाना, सम्वाहन, सिरोपिचू और स्थानिक पिचू, लेपा, कवलांद, गंडूशा (गरारे करना) जैसी प्रक्रियाओं के प्रकारों का प्रदर्शन करें। • स्वेद के विभिन्न प्रकारों की सूची बनाइये।
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएँ	
लिनन, रोगी के कपड़े, तौलिया, चेहरा तौलिया, दस्ताने, बेसिन, पानी, स्वेदना के लिए कच्चा माल।	

मॉड्यूल 8: पंचकर्म चिकित्सा के पाश्चात् कर्म

मैप किया गया: HSS/N3603

टर्मिनल परिणाम:

- वस्तुओं की सफाई, कीटाणुशोधन और जीवाणु-शोधन जैसी देखभाल का प्रदर्शन करें।
- प्रयुक्त लिनेन के रख-रखाव, पृथक्करण और परिवहन की विधि का प्रदर्शन करें।

अवधि:*40:00*	**अवधि**:*60:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• ग्राहक को निजी सामान सौंपने की प्रक्रिया पर चर्चा करें • चिकित्सक/डॉक्टर के आदेशानुसार उपचार के बाद रोगियों को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, इसकी जानकारी दें • शिकायतों का रिकॉर्ड बनाए रखें और संगठनात्मक नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुसार प्राधिकरण को सूचित करें • व्यक्तिगत पोस्ट-थेरेपी सत्रों की आवश्यकताओं की पहचान करें और उन्हें संगठनात्मक नीतियों के अनुसार रिकॉर्ड करें • संगठनात्मक प्रक्रिया के अनुसार रोगियों की चिकित्सा के बाद की प्रतिक्रिया लेने और रिकॉर्ड करने के महत्व को समझाएं • चिकित्सक/डॉक्टर या संबंधित प्राधिकारी के परामर्श से व्यक्ति के लिए उपयुक्त अपॉइंटमेंट की योजना बनाएं • पंचकर्म इकाई को अगली प्रक्रिया के लिए तैयार करें • चादरें, तौलिए, नैपकिन आदि जैसे उपभोज्य और गैर-उपभोज्य वस्तुओं के रिकॉर्ड बनाए रखने की प्रक्रिया समझाएं। • तेल, दवा को नमी, पानी, आग, कृन्तकों, कीड़ों और घुनों आदि से बचाने के सुरक्षा उपायों की व्याख्या करें। • आवश्यक वस्तुओं की किसी खराबी या क्षति, स्टॉक की कमी, गुम वस्तु की रिपोर्ट उचित प्राधिकारी को करने की प्रक्रिया समझाएं। • प्रयुक्त और अप्रयुक्त लिनेन के संचालन, पृथक्करण और परिवहन के लिए सही तरीकों की व्याख्या करें • उपभोग्य और गैर-उपभोज्य वस्तुओं का रखरखाव करें	• एक भूमिका निभाते हुए - अगली प्रक्रिया के लिए कौशल प्रयोगशाला में मालिश इकाई तैयार करें। • ग्राहक को सामान सौंपने की प्रक्रिया के चरणों को दर्शाने वाला एक चार्ट तैयार करें। • उपकरण, सामग्री, तेल और उपभोग्य सामग्रियों की पैकिंग और भंडारण की प्रक्रिया का प्रदर्शन करें। • एक रोल प्ले में स्टोर में क्षति, स्टॉक की कमी और गुम वस्तुओं की रिपोर्ट करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करें।
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइटबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर।	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएं	
अलगसफाई उपकरणों और सफाई ब्रश और सफाई एजेंटों के प्रकार, उपकरणों की सफाई के मानक दिशानिर्देश	

मॉड्यूल 9: आयुर्वेदिक आहार

मैप किया गया: HSS/N3603

टर्मिनल परिणाम:

- स्वरसा, कालका, क्वाथ, हिमा, फैंटा, तंडुलोदक, मंथा, अवलेह, धान्यमला, क्षीरपाक, पनाका, ममसरसा, लेप बनाने की विधि का प्रदर्शन करें।

अवधि:*30:00*	**अवधि**:*50:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• स्वास्थ्य और अस्वस्थ्य स्थितियों में आहार के महत्व पर चर्चा करें। • दोशिका प्रकृति के आधार पर हित एवं अहिता आहार का महत्व बताएं • ऋतुचर्या एवं आहार तथा इसकी तैयारी के बारे में बताएं। • दिनाचार्य अवाम आहार और इसकी तैयारी के बारे में बताएं। • अनुपान का महत्व समझाइए पंचकर्म के विषय में • पयादि, तर्पणदि क्रमा की अवधारणा और इसकी तैयारी पर चर्चा करें • स्वरसा, कालका, क्वाथ, हिमा, फैंटा, तंदुलोदक, मंथा, अवलेह, धान्यमला, क्षीरपाक, पनाका, ममसरसा, लेपा की तैयारी बताएं *पेया, विलेपी, युषम, ममसा रस की तैयारी समझाएं।* • पंचकर्म पद्धति के अनुसार आहार के महत्व के बारे में बताएं	• स्वरसा, कालका, क्वाथ, हिमा, फैंटा, तंडुलोदक, मंथा, अवलेह, धान्यमला, क्षीरपाक, पनाका, ममसरसा, लेप बनाने की विधि का प्रदर्शन करें
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइटबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर।	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएँ	
बेड पैन, मूत्रालय, दस्ताने, वयस्क डायपर, ड्रॉ शीट, अंडर पैड, डस्टबिन, यूरोबैग, आदि	

मॉड्यूल 10: इन्वेंटरी नियंत्रण

मैप किया गया: HSS/N3631

टर्मिनल परिणाम:

- इन्वेंट्री या स्टॉक बनाए रखने की तकनीक का प्रदर्शन करें
- इन्वेंट्री रजिस्टर और चेकलिस्ट बनाए रखें
- वस्तुओं और इन्वेंट्री के किसी भी नुकसान की रिपोर्ट करें

अवधि:*60:00*	**अवधि**:*90:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• स्टॉक बनाए रखने का महत्व समझाएँ • विनिर्माण और समाप्ति तिथियों का रिकॉर्ड रखने के महत्व को समझाएं • संगठनात्मक नीति के अनुसार वस्तुओं या उपभोग्य सामग्रियों के किसी भी नुकसान की रिपोर्ट करें • इन्वेंट्री पुनःपूर्ति और वितरण प्रणालियों पर चर्चा करें • इन्वेंट्री नियंत्रण दिशानिर्देशों का अनुपालन न करने वाले स्टॉक की पहचान, रिकॉर्डिंग और हटाने के महत्व को समझें • उन स्टॉक को पुनः संसाधित करने या त्यागने की प्रक्रियाओं के बारे में बताएं जो इन्वेंट्री नियंत्रण दिशानिर्देशों का अनुपालन नहीं कर रहे हैं • FIFO (पहले आओ और पहले पाओ) प्रक्रिया को समझाइए।	• इन्वेंट्री नियंत्रण और प्रबंधन के चरणों के लिए एक चार्ट तैयार करें। • इन्वेंट्री प्रबंधन की प्रक्रिया की जांच करने के लिए किसी विभाग का दौरा करें और सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक रिपोर्ट तैयार करें।
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइटबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर।	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएँ	
इन्वेंटरी रजिस्टर, नमूना इन्वेंटरी सूची, इन्वेंटरी विभाजक।	

मॉड्यूल 11: चिकित्सीय संचार कौशल
मैप किया गया: HSS/N3631

टर्मिनल परिणाम:

- सहकर्मियों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करें।
- समय पर असाइनमेंट पूरा करने के लिए काम को व्यवस्थित करें और प्राथमिकता दें।
- विवादों से निपटते समय संगठनात्मक आचार संहिता का पालन करें।

अवधि:*20:00*	**अवधि**:*20:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• मरीजों, रिश्तेदारों और सहकर्मियों के साथ प्रभावी संचार के महत्व पर चर्चा करें। • एक टीम खिलाड़ी की विशेषताओं का वर्णन करें। • रोगी की जानकारी से संबंधित गोपनीयता और निजता प्रथाओं पर चर्चा करें। • टीमवर्क के महत्व पर चर्चा करें। • आयुर्वेद अस्पताल में कार्य नैतिकता की व्याख्या करें। • आचार संहिता और कार्य के दायरे को बनाए रखने के लिए संगठन के नियमों और नीतियों का पालन करने के महत्व पर चर्चा करें। • लिंग तटस्थ व्यवहार और दिव्यांग संवेदनशीलता बनाए रखने के लिए विभिन्न संचार शैलियों पर चर्चा करें।	• प्रभावी संचार सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी शब्दों के उपयोग का प्रदर्शन करें। • दैनिक गतिविधियों के दौरान समय प्रबंधन कौशल लागू करें। • जानकारी का उपयोग करके रिपोर्ट तैयार करें अवलोकन, अनुभव से एकत्रित,तर्क, या संचार.
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट,मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएँ	
टीमवर्क, समूह गतिशीलता/भूमिका निभाने पर केस अध्ययन और प्रदर्शनात्मक वीडियो	

मॉड्यूल 12: रिपोर्टिंग और दस्तावेज़ीकरण

मैप किया गया: HSS/N3631

टर्मिनल परिणाम:

- डाटाबेस और अभिलेखों के भंडारण, प्रतिधारण और पुनर्प्राप्ति के तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करना।
- अभिलेखों की गोपनीयता बनाए रखें

अवधि:*10:00*	**अवधि**:*10:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• रिपोर्टिंग और दस्तावेज़ीकरण में पंचकर्म तकनीशियनों के लिए अभ्यास का दायरा परिभाषित करें • रिपोर्टिंग मैट्रिक्स की विधि को परिभाषित करें और चर्चा करें। • अभिलेखों के रखरखाव के महत्व को समझाइए। • पंचकर्म तकनीशियन द्वारा बनाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के अभिलेखों के बारे में बताएं • विभिन्न अभिलेखों के आवश्यक घटकों और उनके दस्तावेज़ीकरण और पुनर्प्राप्ति की विधि का प्रदर्शन • विभिन्न अभिलेखों के आवश्यक घटकों और उनके दस्तावेजीकरण और पुनर्प्राप्ति की विधि की व्याख्या करें • पंचकर्म प्रक्रियाओं से संबंधित संक्षिप्ताक्षरों और प्रतीकों की व्याख्या करें	• विभिन्न रूपों और प्रारूप में डेटा दर्ज करें मानक दिशा-निर्देशों के अनुसार। • ग्राहक की प्रक्रिया से संबंधित जानकारी रिकॉर्ड करने के लिए दस्तावेजों का एक नमूना सेट बनाएं। • सभी को संकलित करने का तरीका प्रदर्शित करें नमूना प्रारूपों में प्रासंगिक जानकारी ग्राहक का डेटाबेस बनाने के लिए आवश्यक है.
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट, मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइटबोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर।	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएँ	
रिपोर्ट और अस्पताल दस्तावेजों के नमूना प्रारूप, सहमति के विभिन्न रूप	

मॉड्यूल 13:कार्यस्थल पर सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया

मैप किया गया: HSS/N9617,v4

टर्मिनल परिणाम

- संस्थागत आपातस्थितियों का सुरक्षित एवं उचित तरीके से जवाब दें।

अवधि:*05:00*	**अवधि**:*10:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए बरती जाने वाली सावधानियों की सूची बनाएं। • सुरक्षात्मक उपकरणों जैसे अवरोधों और सुरक्षा उपकरणों के उपयोग के बारे में बताएं। • अस्पताल के आपातकालीन कोड की सूची बनाएं। • आग की आपातस्थिति और बिजली के उपकरणों के सुरक्षित उपयोग के बारे में बताएं • संस्थागत आपात स्थितियों से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन तकनीकों की व्याख्या करें। • स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग में होने वाली सामान्य आपात स्थितियों की सूची बनाएं। • प्राथमिक चिकित्सा किट और उसके घटकों तथा उसकी प्रयोज्यता के बारे में बताएं • पीड़ितों को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करते समय मानक प्रोटोकॉल पर चर्चा करें • प्राथमिक चिकित्सा देखभाल प्रदान करते समय पालन किए जाने वाले विभिन्न कार्य और न किए जाने वाले कार्यों की सूची बनाएं	• संस्थागत आपातकाल को दर्शाते हुए एक मॉक ड्रिल में अस्पताल आपातकालीन कोड और बुनियादी आपातकालीन प्रतिक्रिया के उपयोग का प्रदर्शन करें। • पंचकर्म इकाई में सामान्य आपातकालीन स्थितियों और उसके संदर्भ तंत्र को दर्शाने वाला एक चार्ट बनाएं।
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट,मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएँ	
क्रैश कार्ट ट्रॉली, प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स, सीपीआर मैनिकिन, मास्क वयस्क के साथ अम्बू बैग, टॉर्च, शारीरिक प्रतिबंध, अग्निशामक	

मॉड्यूल 14: संक्रमण नियंत्रण नीतियां और प्रक्रियाएं

मैप किया गया: HSS/N9618,v4

टर्मिनल परिणाम

- आत्म-स्वच्छता की तकनीकें विकसित करें।
- दैनिक गतिविधियों के दौरान संक्रमण नियंत्रण नीतियों और प्रक्रियाओं को लागू करें।

अवधि:*03:00*	**अवधि**:*03:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• स्वस्थ जीवन की अवधारणा को समझाइए। • संक्रमण नियंत्रण एवं रोकथाम के महत्व का वर्णन करें। • रोगजनक जीवों के संचरण को रोकने के लिए रणनीतियों की सूची बनाएं। • नोसोकोमियल संक्रमण या अस्पताल से प्राप्त संक्रमण का वर्णन करें। • घटना रिपोर्टिंग के महत्व को समझाइए। • महामारियों और उसके दौरान बरती जाने वाली विशेष सावधानियों के बारे में संक्षेप में चर्चा करें। • टीकाकरण की अवधारणा को समझाइए। • स्वास्थ्य देखभाल-व्यवस्थाओं में प्रयुक्त हाथ-स्वच्छता संबंधी दिशा-निर्देशों और प्रक्रियाओं का वर्णन करें। • व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के उपयोग के महत्व को समझाएं। • पीपीई के प्रकारों की सूची बनाएं। • प्रत्येक पी.पी.ई. को पहनने और उतारने की प्रक्रिया का वर्णन करें। • सामान्य संक्रामक रोगों के विरुद्ध विभिन्न टीकाकरणों के बारे में बताएं।	• रिसाव प्रबंधन के चरणों का प्रदर्शन करें। • हाथ स्वच्छता की प्रक्रियाओं का प्रदर्शन करें। • पीपीई पहनने, उतारने और हटाने का प्रदर्शन करें
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट,मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएँ	
हाइपोक्लोराइट घोल, क्लोरहेक्सिडिन, अल्कोहल स्वैब, एप्रन, लैब कोट, दस्ताने, मास्क, टोपी, जूते, सुरक्षा चश्मा और चश्मे, तौलिए, रूई, आइसोप्रोपिल अल्कोहल, डिस्पोजेबल कार्ट्रिज और सीरिंज, स्पिल किट	

मॉड्यूल 15: जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन

मैप किया गया: HSS/N9618,v4

- विभिन्न प्रकार के जैव-चिकित्सा अपशिष्टों का निपटान उचित रंग-कोडित डिब्बों/कंटेनरों में करें।
- दैनिक गतिविधियों के दौरान जैव-चिकित्सा अपशिष्ट निपटान प्रणाली के स्थानीय दिशानिर्देशों को लागू करें।

अवधि:*02:00*	**अवधि**:*02:00*
सिद्धांत – मुख्य शिक्षण परिणाम	**व्यावहारिक – मुख्य शिक्षण परिणाम**
• जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के विभिन्न प्रकारों को वर्गीकृत करें। • जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के उचित एवं सुरक्षित निपटान, परिवहन एवं उपचार के महत्व एवं तंत्र की व्याख्या करें। • जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के निपटान के लिए प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के रंग-कोडित डिब्बों/कंटेनरों की पहचान करें। • जैव-चिकित्सा अपशिष्ट निपटान के स्थानीय दिशानिर्देशों का पालन करने के महत्व को समझाएं।	• स्थानीय दिशानिर्देशों को लागू करते हुए जैव-चिकित्सा अपशिष्ट को अलग करें। • जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के विभिन्न प्रकारों तथा जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के निपटान के लिए प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के रंग-कोडित डिब्बों/कंटेनरों को दर्शाने वाला एक चार्ट बनाएं।
कक्षा सहायक सामग्री:	
चार्ट,मॉडल, वीडियो प्रस्तुति, फ्लिप चार्ट, व्हाइट-बोर्ड/स्मार्ट बोर्ड, मार्कर, डस्टर	
उपकरण, सामान और अन्य आवश्यकताएँ	
विभिन्न कोडित रंग डिब्बे, डिब्बों के रंग कोडिंग के लिए चार्ट क्षेत्र कार्य के लिए जैव-चिकित्सा अपशिष्ट उपचार संयंत्र का दौरा	

मॉड्यूल 16: रोजगार कौशल

DGT/VSQ/N0102 से मैप किया गया: रोजगार कौशल (60 घंटे)

अनिवार्य अवधि:60:00			
स्थान: ऑन-साइट			
एस.एन.ओ	**मोड्यूल का नाम**	**मुख्य शिक्षण परिणाम**	**अवधि (घंटे)**
1.	रोजगार कौशल का परिचय	• विभिन्न उद्योगों में नौकरियों के लिए आवश्यक रोजगार कौशल पर चर्चा करें। • विभिन्न शिक्षण एवं रोजगारपरकता से संबंधित भारत सरकार एवं निजी पोर्टलों तथा उनके उपयोग की सूची बनाएं।	1.5
2.	संवैधानिक मूल्य - नागरिकता	• संवैधानिक मूल्यों की व्याख्या करें, जिसमें नागरिक अधिकार और कर्तव्य, नागरिकता, समाज के प्रति जिम्मेदारी और व्यक्तिगत मूल्य और नैतिकता जैसे ईमानदारी, निष्ठा, दूसरों की देखभाल और सम्मान शामिल हैं, जो एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए आवश्यक हैं। • दिखाएँ कि विभिन्न पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ प्रथाओं का अभ्यास कैसे किया जाए।	1.5
3.	21वीं सदी में पेशेवर बनना	• प्रासंगिक 21वीं सदी के कौशल के महत्व पर चर्चा करें। • व्यक्तिगत या व्यावसायिक जीवन में आत्म-जागरूकता, व्यवहार कौशल, समय प्रबंधन, आलोचनात्मक और अनुकूली सोच, समस्या समाधान, रचनात्मक सोच, सामाजिक और सांस्कृतिक जागरूकता, भावनात्मक जागरूकता, सीखने के लिए सीखना आदि जैसे 21वीं सदी के कौशल प्रदर्शित करें। • निरंतर सीखने के लाभों का वर्णन करें।	2.5
4.	बुनियादी अंग्रेजी कौशल	• दिखाएँ कि दैनिक जीवन में बुनियादी अंग्रेजी वाक्यों का उपयोग कैसे करें। विभिन्न संदर्भों में, व्यक्तिगत रूप से और टेलीफोन पर बातचीत। • बुनियादी अंग्रेजी में लिखे गए पाठ को पढ़ें और समझें • बुनियादी अंग्रेजी का उपयोग करते हुए एक संक्षिप्त नोट/पैराग्राफ/पत्र/ई-मेल लिखें।	10
5.	कैरियर विकास & लक्ष्य की स्थापना	• अच्छी तरह से परिभाषित अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों के साथ एक कैरियर विकास योजना बनाएं।	2
6.	संचार कौशल	• मौखिक और अशाब्दिक संचार शिष्टाचार का उपयोग करके प्रभावी ढंग से संवाद करने का तरीका प्रदर्शित करें। • प्रभावी संचार के लिए सक्रिय श्रवण के महत्व को समझाइए। • एक टीम में दूसरों के साथ मिलकर काम करने के महत्व पर चर्चा करें।	5

7.	विविधता और समावेश	• सभी लिंगों और दिव्यांगों के साथ उचित तरीके से व्यवहार, संवाद और आचरण कैसे किया जाए, इसका प्रदर्शन करें। • POSH अधिनियम के अनुसार बढ़ते यौन उत्पीड़न के मुद्दों के महत्व पर चर्चा करें।	2.5
8.	वित्तीय और कानूनी साक्षरता	• सही वित्तीय संस्थान, उत्पाद और सेवा का चयन करने के महत्व को रेखांकित करें। • सुरक्षित तरीके से ऑफलाइन और ऑनलाइन वित्तीय लेनदेन करने का तरीका प्रदर्शित करें। • वेतन के सामान्य घटकों की सूची बनाएं और उनकी गणना करें	5
		आय, व्यय, कर, निवेश आदि। • कानूनी अधिकारों, कानूनों और सहायता पर चर्चा करें।	
9.	आवश्यक डिजिटल कौशल	• आज के जीवन में डिजिटल प्रौद्योगिकी की भूमिका का वर्णन करें। • डिजिटल उपकरणों को संचालित करने तथा उनसे संबंधित अनुप्रयोगों और सुविधाओं का सुरक्षित एवं संरक्षित तरीके से उपयोग करने का तरीका प्रदर्शित करें। • ब्राउज़िंग, विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ई-मेल आदि का सुरक्षित और संरक्षित तरीके से उपयोग करते समय जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार प्रदर्शित करने के महत्व पर चर्चा करें। • बुनियादी सुविधाओं का उपयोग करके नमूना वर्ड दस्तावेज़, एक्सेल शीट और प्रस्तुतियाँ बनाएँ। • प्रभावी ढंग से काम करने के लिए आभासी सहयोग उपकरणों का उपयोग करें।	10
10.	उद्यमशीलता	• उद्यमिता एवं उद्यम के प्रकारों की व्याख्या करें। • संभावित व्यवसाय के लिए अवसरों की पहचान कैसे करें, वित्तपोषण के स्रोतों तथा इससे संबंधित वित्तीय और कानूनी जोखिमों को कम करने की योजना के साथ कैसे जोड़ा जाए, इस पर चर्चा करें। • विपणन के 4P - उत्पाद, मूल्य, स्थान और प्रचार का वर्णन करें तथा आवश्यकतानुसार उनका प्रयोग करें। • चयनित व्यावसायिक अवसर के लिए एक नमूना व्यवसाय योजना बनाएं।	7
11	ग्राहक सेवा	• ग्राहकों के विभिन्न प्रकारों और आवश्यकताओं के विश्लेषण के महत्व का वर्णन करें। • ग्राहकों की आवश्यकताओं को पहचानने और उन्हें पेशेवर तरीके से जवाब देने के महत्व को समझाएं। • स्वच्छता बनाए रखने और उचित ढंग से कपड़े पहनने के महत्व पर चर्चा करें।	5
12	प्रशिक्षुता और नौकरियों के लिए तैयारी	• एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम (सी.वी.) बनाएं। • विभिन्न ऑफलाइन और ऑनलाइन नौकरी खोज स्रोतों जैसे कि रोजगार कार्यालय, भर्ती एजेंसियां और नौकरी पोर्टल का उपयोग करें। • साक्षात्कार के दौरान स्वच्छता और आत्मविश्वास बनाए रखने के महत्व पर चर्चा करें। • एक नकली साक्षात्कार करें. • प्रशिक्षुता अवसरों की खोज और पंजीकरण के लिए चरणों की सूची बनाएं।	8

रोजगार के लिए उपकरणों और उपकरणों की सूची **कौशल**

क्र. सं.	उपकरण का नाम	मात्रा
1.	नवीनतम कॉन्फ़िगरेशन वाला कंप्यूटर (पीसी) - और मानक ऑपरेटिंग सिस्टम और मानक वर्ड प्रोसेसर और वर्कशीट सॉफ़्टवेयर के साथ इंटरनेट कनेक्शन (लाइसेंस प्राप्त) (सभी सॉफ्टवेयर या तो नवीनतम संस्करण या उससे नीचे का एक/दो संस्करण होना चाहिए)	आवश्यकता अनुसार
2.	ऊपर	आवश्यकता अनुसार
3.	स्कैनर सह प्रिंटर	आवश्यकता अनुसार
4.	कंप्यूटर टेबल	आवश्यकता अनुसार
5.	कंप्यूटर कुर्सियां	आवश्यकता अनुसार
6.	एलसीडी प्रोजेक्टर	आवश्यकता अनुसार
7.	व्हाइट बोर्ड 1200मिमी x 900मिमी	आवश्यकता अनुसार
नोट: यदि संस्थान में कंप्यूटर लैब उपलब्ध है तो उपरोक्त उपकरण एवं साजो-सामान की आवश्यकता नहीं है।		

अनिवार्य अवधि:*150:00*	
मॉड्यूल का नाम: ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण **स्थान: साइट पर**	
टर्मिनल परिणाम • आयुर्वेदिक उपचारों की सही तकनीकों का प्रदर्शन करें "शदुपक्रम (बृम्हण, लंघन, स्वेदन, स्तम्भन, रुक्ष्ना, सेन्हाना), रसायन, वाजीकरण, संसामन, संशोधन, पथ्या - अपथ्य • द्रव्य के रस, गुण, कर्म, वीर्य, विपाक और प्रभाव चिकित्सा की सही तकनीक का प्रदर्शन करें • *विभिन्न तेलों और मालिश का उपयोग करने की सही तकनीक का प्रदर्शन करें* • मानव अंग प्रणाली के 3D मॉडल का उपयोग करके विभिन्न शरीर के अंगों/अंगों की पहचान करें। • प्रत्येक मानव शरीर प्रणाली के कामकाज को दर्शाने वाले विभिन्न कार्यशील मॉडल डिज़ाइन करें • विभिन्न उपचारों के लिए प्रयुक्त विभिन्न रोगी स्थितियों का प्रदर्शन करना • औषधि खुराक गणना के लिए मानक प्रक्रिया का प्रदर्शन • विभिन्न प्रकार की मालिशों का प्रदर्शन करें • शिरोधारा, शिरोबस्ती, शिरोभ्यंग, पदाभ्यंग, उदवर्तन, उद्घर्षण, मर्दाना, सम्वाहन, सिरोपिचू और स्थानिक पिचू, लेपा, कवलांद, गंडूशा (गरारे करना) जैसी प्रक्रियाओं के प्रकारों का प्रदर्शन करें। • तप स्वेद (सेंक), उपनहा स्वेद (पुल्टिस), ऊष्म स्वेद (हर्बल भाप और बोलस बैग) का प्रदर्शन करें • औषधि निर्माण के लिए मानक प्रक्रिया का प्रदर्शन • औषधि की प्राथमिक और द्वितीयक तैयारी और उनके उपयोग के लिए मानक प्रक्रिया का प्रदर्शन • सम्यक योग, अति योग और अयोग, लक्षण की सही तकनीक का प्रदर्शन करें। • विभिन्न पंचकर्म प्रक्रियाओं जैसे कि वमन कर्म (चिकित्सीय वमन), विरेचन कर्म (शोधन), बस्ती कर्म (एनिमा), नास्य कर्म (तेल और हर्बल व्युत्पन्न का नाक द्वारा प्रशासन), रक्त मोक्ष (चिकित्सीय रक्तपात) के संकेत, संकेत और विपरीत प्रभावों पर एक रोगी की नमूना रिपोर्ट तैयार करें। • स्वरसा, कालका, क्वाथ, हिमा, फैंटा, तंडुलोदक, मंथा, अवलेह, धान्यमला, क्षीरपाक, पनाका, ममसरसा, लेप बनाने की विधि का प्रदर्शन करें • रिसाव प्रबंधन के चरणों का प्रदर्शन करें। • हाथ स्वच्छता की प्रक्रियाओं का प्रदर्शन करें। • पीपीई पहनने और उतारने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करें। • विभिन्न प्रकार के कचरे का चयन करें तथा कचरे के निपटान के लिए विभिन्न प्रकार के रंग-कोडित डिब्बों/कंटेनरों का चयन करें।	

अनुलग्नक

प्रशिक्षक की आवश्यकताएं

प्रशिक्षक पूर्वापेक्षाएँ						
न्यूनतम शैक्षिक योग्यता	**विशेषज्ञता**	**प्रासंगिक उद्योग अनुभव**		**प्रशिक्षण अनुभव**		**टिप्पणी**
		साल	***विशेषज्ञता***	***साल***	***विशेषज्ञता***	
एमडी	पंचकर्म/कायाचिकित्सा में एमडी की डिग्री	1		0		
स्नातक	बीएएमएस	6				

प्रशिक्षक प्रमाणन	
डोमेन प्रमाणन	**प्लेटफ़ॉर्म प्रमाणन**
नौकरी की भूमिका के लिए प्रमाणित: "पंचकर्म तकनीशियन" योग्यता पैक से मैप किया गया: "HSS/Q3601 v4.0" न्यूनतम 80% स्कोर के साथ।	यह अनुशंसित है कि प्रशिक्षक नौकरी की भूमिका के लिए प्रमाणित हो: "प्रशिक्षक (VET और कौशल)", योग्यता पैक से मैप किया गया: "MEP/Q2601, v2.0" न्यूनतम 80% स्कोर के साथ।

आंकलन करनेवालाआवश्यकताएं

मूल्यांकनकर्ता पूर्वापेक्षाएँ						
न्यूनतमशैक्षणिक योग्यता	**विशेषज्ञता**	**प्रासंगिक उद्योगअनुभव**		**प्रशिक्षण/मूल्यांकनअनुभव**		**टिप्पणी**
		साल	*विशेषज्ञता*	*साल*	*विशेषज्ञता*	
एमडी	पंचकर्म/कायाचिकित्सा में एमडी की डिग्री	2				
स्नातक	बीएएमएस	7				

मूल्यांकनकर्ता प्रमाणन	
डोमेन प्रमाणन	**प्लेटफ़ॉर्म प्रमाणन**
नौकरी की भूमिका के लिए प्रमाणित: "पंचकर्म तकनीशियन" योग्यता पैक से मैप किया गया: "HSS/Q3601 v4.0" न्यूनतम 80% स्कोर के साथ।	यह अनुशंसित है कि मूल्यांकनकर्ता नौकरी की भूमिका के लिए प्रमाणित हो: "मूल्यांकनकर्ता (VET और कौशल)", योग्यता पैक से मैप किया गया: "MEP/Q2701, v2.0" न्यूनतम 80% स्कोर के साथ।

मूल्यांकन रणनीति

इसमें 'करके सीखने' और प्रदर्शन मानदंडों के आधार पर कौशल और ज्ञान के व्यावहारिक प्रदर्शन पर जोर दिया जाता है। तदनुसार, प्रत्येक नौकरी की भूमिका के लिए मूल्यांकन मानदंड निर्धारित किए जाते हैं और योग्यता पैक में उपलब्ध कराए जाते हैं।

थ्योरी और प्रैक्टिकल दोनों के लिए मूल्यांकन पत्र हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल द्वारा नियुक्त विषय वस्तु विशेषज्ञों (एसएमई) या एचएसएससी मान्यता प्राप्त मूल्यांकन एजेंसी द्वारा योग्यता पैक में उल्लिखित मूल्यांकन मानदंडों के अनुसार विकसित किए जाएंगे। मूल्यांकन पत्रों की गुणवत्ता, समय लगने, सटीकता, उपकरण और उपकरणों की आवश्यकता आदि जैसे विभिन्न परिणाम-आधारित मापदंडों के लिए भी जाँच की जाएगी।

योग्यता पैक (क्यूपी) में प्रत्येक एनओएस को एनओएस की गंभीरता के आधार पर मूल्यांकन के लिए एक सापेक्ष भार दिया जाता है। इसमें एनओएस में प्रत्येक तत्व/प्रदर्शन मानदंड को सापेक्ष महत्व, कार्य की गंभीरता और प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे पर अंक दिए जाते हैं।

अंतिम मूल्यांकन के लिए निम्नलिखित उपकरणों का उपयोग किया जाएगा:

1. व्यावहारिक मूल्यांकन:इसमें कौशल प्रयोगशाला में कृत्रिम वातावरण का निर्माण शामिल है, जो योग्यता पैक के लिए आवश्यक सभी उपकरणों से सुसज्जित है।

उम्मीदवार के सॉफ्ट स्किल्स, संचार, योग्यता, सुरक्षा चेतना, गुणवत्ता चेतना आदि का निरीक्षण करके पता लगाया जाता है और निरीक्षण चेकलिस्ट में अंकित किया जाता है। परिणाम को उनके कौशल उपलब्धियों के स्तर को मापने के लिए निर्दिष्ट आयामों और मानकों के विरुद्ध मापा जाता है।

2. मौखिक/संरचित साक्षात्कार:इस उपकरण का उपयोग नौकरी की भूमिका और हाथ में मौजूद विशिष्ट कार्य के संबंध में वैचारिक समझ और व्यवहारिक पहलुओं का आकलन करने के लिए किया जाता है। इसमें सुरक्षा, गुणवत्ता, पर्यावरण और उपकरण आदि पर प्रश्न भी शामिल हैं।

3. लिखित परीक्षा:प्रश्न पत्र में 100 MCQ (कठिन: 40, मध्यम: 30 और आसान: 30) शामिल हैं, जिनमें प्रत्येक NOS के प्रत्येक तत्व से प्रश्न हैं। लिखित मूल्यांकन पत्र में निम्न प्रकार के प्रश्न शामिल हैं:

i. सत्य / असत्य कथन
ii. बहु विकल्पीय प्रश्न
iii. मिलान प्रकार के प्रश्न.
iv. रिक्त स्थान भरें.
v. परिदृश्य आधारित प्रश्न.
vi. पहचान संबंधी प्रश्न

मूल्यांकनकर्ताओं के संबंध में QA:

मूल्यांकनकर्ताओं का चयन प्रत्येक कार्य भूमिका के मूल्यांकन के लिए HSSC द्वारा निर्धारित "पात्रता मानदंड" के अनुसार किया जाता है। मूल्यांकन एजेंसियों द्वारा चुने गए मूल्यांकनकर्ताओं की जांच की जाती है और उन्हें HSSC मूल्यांकन ढांचे, योग्यता आधारित मूल्यांकन, मूल्यांकनकर्ता गाइड आदि से परिचित कराया जाता है। HSSC प्रत्येक कार्य भूमिका के लिए समय-समय पर "मूल्यांकनकर्ताओं का प्रशिक्षण" कार्यक्रम आयोजित करता है और मूल्यांकन प्रक्रिया और रणनीति के बारे में मूल्यांकनकर्ताओं को संवेदनशील बनाता है, जो निम्नलिखित अनिवार्य मापदंडों पर

उल्लिखित है:

1) एनएसक्यूएफ के संबंध में मार्गदर्शन
2) योग्यता पैक संरचना
3) सिद्धांत, व्यावहारिक और मौखिक मूल्यांकन करने के लिए मूल्यांकनकर्ता के लिए मार्गदर्शन
4) मूल्यांकन शुरू होने से पहले मूल्यांकनकर्ता द्वारा प्रशिक्षुओं को मार्गदर्शन दिया जाएगा।
5) मूल्यांकन प्रक्रिया पर मार्गदर्शन, संचालन के चरणों के साथ व्यावहारिक संक्षिप्त विवरण, व्यावहारिक अवलोकन चेकलिस्ट और अंक पत्र
6) पूरे बैच में एकरूपता और स्थिरता के लिए मौखिक मार्गदर्शन।
7) नकली मूल्यांकन
8) नमूना प्रश्न पत्र और व्यावहारिक प्रदर्शन

संदर्भ

शब्दकोष

क्षेत्र	सेक्टर अलग-अलग व्यावसायिक संचालनों का समूह है, जिनके व्यवसाय और हित समान होते हैं। इसे अर्थव्यवस्था के एक अलग उपसमूह के रूप में भी परिभाषित किया जा सकता है, जिसके घटक समान लाभ साझा करते हैं। विशेषताएँ और रुचियाँ।
उप-क्षेत्र	उप-क्षेत्र को उसके घटकों की विशेषताओं और हितों के आधार पर आगे के विभाजन से प्राप्त किया जाता है।
पेशा	व्यवसाय नौकरी भूमिकाओं का एक समूह है,जो किसी उद्योग में समान/संबंधित कार्य करते हैं।
राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस)	एनओएस व्यावसायिक मानक हैं जो भारतीय संदर्भ में विशिष्ट रूप से लागू होते हैं।
योग्यता पैक (QP)	क्यूपी में ओ.एस. का सेट शामिल होता है, साथ ही नौकरी की भूमिका निभाने के लिए आवश्यक शैक्षिक, प्रशिक्षण और अन्य मानदंड भी शामिल होते हैं। एक क्यूपी को एक अद्वितीय योग्यता पैक कोड सौंपा जाता है।

परिवर्णी शब्दऔर संक्षिप्तीकरण

ओपन स्कूल	राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक
एनएसक्यूएफ	राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा
क्यूपी	योग्यता पैक
पीपीई	व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण
शराबी	मानक संचालन प्रक्रिया